Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to accord special states to Bihar.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा): मैडम, मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ऐसा व्यवहार कभी नहीं होना चाहिए।

…(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : मैडम, मैं ग्यारह करोड़ लोगों की पीड़ा और दर्द को व्यक्त कर रहा हूँ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मुझे मालूम है, लेकिन दोबारा ऐसा व्यवहार कभी नहीं होना चाहिए। मैं तभी आपको बोलने का मौका दूंगी।

…(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : मैडम, मैंने कभी ऐसा नहीं किया है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप ऐसा बोलिए कि कभी नहीं करेंगे।

…(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन: मैडम, मैं हृदय से आपसे क्षमा चाहता हूँ। बिहार के जनतंत्र का सवाल था, इसीलिए मैंने कहा था। मैं क्षमा चाहता हूँ, लेकिन मैं जनता के दर्द को रोक नहीं पाया, यह मैं आपसे कहना चाहता हूँ। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ठीक है, अपनी बात रखिए।

…(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन: मैडम, मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूँ कि प्रधान मंत्री जी कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और पैकेज के बारे में कह चुके हैं। उन्होंने कहा है कि मैं दूंगा। आज सरकार हमारी है, दोनों जगह एक ही सरकार है। पहले …* की सरकार थी, जिसने बिहार को बांट दिया। अपनी सरकार ने भी बिहार को बांटा है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप किसी का नाम मत लो, किसी के नाम नहीं जाएंगे, आप केवल अपनी बात कीजिए।

…(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : मैडम, ग्यारह करोड़ लोगों की जो जनता है, वह बिहार अत्यंत निर्धन है और दुनिया में गरीबी रेखा के सबसे नीचे है। 0.7 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग रेट है। इन्फ्रास्ट्रक्चर कुछ नहीं है। बाढ़ और सुखाड़ से हम घिरे हुए हैं। मैडम, बिहार की ग्यारह करोड़ जनता लगातार और वर्तमान मुख्य मंत्री भी और कई विपक्षी और सत्ता पक्ष के लोग इस बात को मानते हैं। आज देश में यदि विशेष राज्य के दर्जे की किसी को आवश्यकता है, वह बिहार को है। मैडम, हम नेपाल और झारखण्ड से घिरे हुए हैं। हम मांग करते हैं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। केंद्र और राज्य में एक ही सरकार है। बिहार में मिथिला और मगध के क्षेत्रों को एक अत्यधिक विशेष पैकेज की जरूरत है। क्योंकि हमारे तीन हिस्सा बाढ़ से प्रभावित है और बाकी सुखाड़ से प्रभावित है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपकी बात पूरी हो गई है। अब आखिर में श्रीमती टीचर बोलेंगी।

…(व्यवधान)